



शिन

७१५-

1772

निर्वाणानाम् ॥ ५ ॥

[illegible]

जलखसमस्तानंदवी २ डीदिया नय श्रेणिनी कामनूपीणी दनमवि
गुह्यमलुननरुपयाम् ॥ ॥ वसुदेवसरोवरवचनममचकवा
उमदलसंगाचक २ मणिमदलकमलमदासखचकरीकामन
फणीदनुकनाथ ॥ ॥ ददाति न विद्यानिदिद्यानरुदनीयव
मनमवयनादवपी २ पीलदिदगैरसीगरुगकपूडनी जिनहान
दायनी विभववी ॥ ॥ दणतैयविम्वकलठचदापमअदि

卷之五

[illegible]

वामपानिनी॥१॥

धनकनक २० मनुष्य ८० धनि विनमानन्द ॥ २०० ॥ नाग ॥ कर्पूदिग
स्वकथागिनी ॥ देवी विष्णु वनयापिनी २ विप्रामान ३ वसन्त विनामि
नी ॥ ५ ॥ नमामि २ गीबठ विनामिनी २ मन्त्रिमिद्विदाय नीकग
ऊननी ॥ ॥ पूर्वदनगन नकुव धीगी २०० धन्यामिनी देवीनी
नवध्रीगी ॥ ॥ वायवमाहिनी देवीनी ॥ नवध्रीगी २ पश्चिममयना
मिनी देवीनी ॥ नवध्रीगी ॥ ॥ नवध्रीगी २ पश्चिममयना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२२॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

ऊमिडहिं नहिं नहिं ऊपुत्तम नन २ अन्तर गस चैद ब वरु धा उ संधी मिल

अथ कवीनेवीनाशुनिरुवननवननकसपसादिनरुलिंणनउवका
काना॥ ॥ अहिनिसिसनगुनवालेकुलीनरुदितालरावअराव

न २

[illegible]

गवक्ष्या

अथर्ववेद ॥ १०

उत्तिशोभन॥११

कन्यपसंहा वंशकफामैदाकिनिडलुनूप १ मनिमिमा धानं वदवनाचक ३
ज्ञानमत्त्वमानोयद्वीडकनर्ग ॥ ॥ पापीदिआचमनदानपूजसम
यसत्त्वपुवसिगविमलकनर्ग २ मदीनागडविहयवाधिविरुनूपसंम
यसत्त्वज्ञानमत्त्वचकिरुर्ग ॥ ६६३७ ॥ नागगंधारुनवि ॥ सिनिलोय
नचडवर्षविहानो १ वादपुमिफामलुललाया ॥ ६६ ॥ हामहामक
प्रयादीदीनरिचउमालो २ नागध्वमादवीधिनक्षदि ॥ ॥ पुह

नकोवत् ॥१२

यनडपायनवडा २ नविममिवापयिआचार्यवयिथ ॥ ॥ वा
मकैदकिमकनयवाया २ कनयिवडातनआकनिदिता ॥ ॥
कनवा नननअस्यकहाम २ वडपवनधनविचयसंवाक्ष ॥ ६६३ ॥
नाग ॥ नाठ ॥ नकवर्षसिनिलोयनसंदरी २ अकादसकुडपुहननकिनः
(६॥ ६६ ॥ उमदवीवानुवीमामकिदवी २ उमकयमादिनेमयनस
नीगा ॥ ॥ आगसवदपूनीनवर्षान २ शागधम्मदिगापुनडयद

ॐ व

॥ पञ्चवृद्धस्वर्गपथिकः ॥ १ ॥ यान्त्रिकानि तीर्थाणि च नृवृत्तः
रुन्वर्तः ॥ २ ॥ सगुणवर्चनं (॥ सिसृगं सधन्या ॥ २ ॥ तस्यैवाकं वंत्तं स
नासन्वृत्तिः ॥ ३ ॥ ॥ नामा ॥ ४ ॥ नवागानता क्तुका नृपधनं ॥ २ ॥ स्वेकवि
सत्त्वउमाधनं ॥ ५ ॥ ॥ ननाई ननाई ॥ २ ॥ ननाई ननाई ॥ ६ ॥ ॥ धिदालिग
यामधनं ॥ ७ ॥ ॥ वज्रधनं ॥ ८ ॥ ॥ धवजसमखनदधनं ॥ २ ॥ संनंदस
साहिबवदमनं ॥ ९ ॥ ॥ मायादहलीनडिगु ॥ २ ॥ साहिबकननसत्त्वमह

नमाई ॥ १३

॥ १० ॥ ॥ नामा ॥ ११ ॥ ॥ विनयकनविगतिमहलसाग्यस्वित्तिआनंद
मृगकिधना ॥ १२ ॥ ॥ वज्रवानादी आलिगनसर्वननानोनभिमतसहला ॥ १३ ॥
ननाई ननाई ॥ १४ ॥ ॥ ननाई ननाई ॥ १५ ॥ ॥ नीलवह्वरुवकुपतिमखः
विनयपनमानंदमृगकिधना ॥ १६ ॥ ॥ विग्ववज्रज्जवल्जजगसकठधनसा
जरनसत्त्वसहिना ॥ १७ ॥ ॥ वज्रधनगज्जमृगमृगधनविन
मातनंदमृगकिधना ॥ १८ ॥ ॥ कनठिकपालपयपयागतिगूलवससिन्ननजाया

नमाई ॥ १४

कालिगवजा नला ॥ १७

द्ववर्मादठि वीरुता ॥ ॥ दिगीविदिगा गकाध्यादियमदादिद्वीरु
सहजानंदं मन्त्रिधना २ नमा मिथी चक्र वन मृगुचन नला ॥
नाधिना ॥ ५० ॥ वागनामयचम ॥ कालिगवजा नला विमनि क्वचिना
दावयिउं काननादनापि २ क्वीइ नुजा गविउ वगली नापयि मयि
जितु विइ नपा ॥ ५१ ॥ वापनमानंद मन्त्रिधना नि कोठा विप
गीमइ वजा २ उं छा ॥ ५२ ॥ क्वीइ नुजा विपगीमइ वजा ॥

भगि

सुगम सुगम

धवतमपुले ॥ १८

कालिकमल सुजा विप वन नवीगत नला गकि २ गम मुख वट लडा जल
मकठ सुनि क्वसी गान नद हिन वाग ॥ ॥ ५३ ॥ सुमे सुल गनि वरु
पय क्वीइ नुजा मय कालिना २ क्वीइ नुजा नद क्वीइ नुजा निवा म
या लता मया पधनि ॥ ॥ विविग नला रुम विरुपि मरु न
यजुत कनू नि नपा २ नला नुचन लद मल पुम दान मनि पन
मनि मय पदी ॥ ५४ ॥ वागनामयचम विप वन मन्त्रिधना कान वीउडी

धारि

का नैरुत्तरवक्रिमल्लुलैश्चयमूलापानिपुरुषयपायैरुक्तादिं धीनपूत्रि
 नैः ॥ ४०० ॥ देवलिङ्गक २ हनस्तव विम्बाननामय २ चक्रमात्रान २
 गाम २ किंहीदिदृक्कान विवृक्तान रुस्मिक्तेन ह्रीरुट ॥ ॥ यत्र
 वीरुत्तवक्राधिष्ठितं यत्रैव मृगपदीये २ समिलयेषां निरूपकानि नैः
 जाममृगमय रवर्क ॥ ॥ ४०१ ॥ ह्रीरुत्तवक्रादिं धीनपूत्रि नैः
 ध्वनी २ सकलधीयैः वयमानि नैः गजनाकप्रपुष्टमयपवित्र ॥

॥

कायाविशेष ॥ ११

॥ ४०२ ॥ नागादि ॥ कानासिभक्त्या वा नाममृनि न कनकाला
 २ नकपिठिहसि वक्रयिक नूनकयासिन लाला ॥ ॥ ४०३ ॥ मन
 यजैर्कैः न वक्रयिदिष्टिमागहिन वक्रयि ॥ ॥ नहि नृषाड
 नगध्वमयनापि वयिऊनयासि २ हानकाभजनपनयासि ईदृन
 वक्रनयासि ॥ ॥ वडसमकस्तु निमिक्ताकप्यनवावनयासि २

ॐ
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ १ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ २ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ३ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ४ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ५ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ६ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ७ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ८ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ ९ ॥
 मम प्रपन्नं भक्तं निजं भक्तं वा तस्य साधि ॥ १० ॥

[illegible]

一、

५॥१॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

निर्मलां सा नारदं कुरु स नमः ॥ ॥ साधवमाया पूर्नद नवु सा नो डोत
मया पाठे द रु न ॥ २ ॥ समन स माया नां गा वि मां सा हान नाया से मां दि
त द सा ॥ ॥ नला रु न नाय छालि न मा नि कय न ना पु न नू ल म नी
का ना २ स न न न ना थ ती दि त च न ॥ ॥ ना म स व ग न अ व न नी ना ॥
॥ ३३ ॥ ॥ ना म ॥ का ना ॥ ॥ अ व नि नि दि त ना न नू ती ल स म द द २ क
न वि न य न ही य म व द ना ॥ ॥ ॥ न ना र्क २ न ना र्क २ जो म अ न न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

आरु ला या ॥ ॥ नि ति दि त द न य ति ॥ ॥ नि त म र्ग २ यां स ख ऊ धा मि
ति रु व न ना थ ॥ ॥ रु नि रु न व म्मा ४ रु न्द रु ड मा ना २ मा न वि म्मः
य मि म क रु य रु न र्ग ॥ ॥ वि ति धि न न नू म नि लै क रु द द २ उ
ग रु वी कि रु व न रु ल दाय रु ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ना म रु क रु द ॥ उ दि ना रु न रु
या य व न रु ता २ व र्नी स रु द रु का र्ग लै रु ना ॥ ॥ ॥ धा न रु रु रु रु रु
य सै रु नि ना २ अ य य नि नै रु न मा रु लै रु ना ॥ ॥ ॥ दि न रु न रु रु

सप्तमः अध्यायः

वरीयादकमलमहि मधुसना नृनं नृनीयाना २५ दस्वमाना रु न ७

५५५

नमो नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ जगन्नाथानि नमो महाकाय
या ॥ ॥ अथ नितिसिद्धि जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ
रुद्र रुद्रयं कनकानि निरवश्यामं कनकानि ॥ ॥ अथ नितिसिद्धि जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ
य्यदर्थं नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ
॥ ॥ अथ नितिसिद्धि जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ
कासर्वं नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथानि नमो निरवश्यामं कनकानि २ जगन्नाथ

卷之四

卷之四

[illegible]

॥ ३ ॥

बांशगनिनात्रयिहं नृवमनसा धीयुः ॥ ५ ॥ पृथुसंनदिह नृवाः ॥
 निडिहं नृवमनसा धीयुः ॥ ६ ॥ पृथुसंनदिह नृवाः ॥
 यानद्वलसिचन्द्रांशगीतञ्जनसाकिलीति वाजीनं ॥ ७ ॥ अलिकाः ॥
 निडिहं नृवमनसा धीयुः ॥ ८ ॥ पृथुसंनदिह नृवाः ॥
 म्बितिहं नृवमनसा धीयुः ॥ ९ ॥ पृथुसंनदिह नृवाः ॥
 त्रिचोनिवनादी ॥ १० ॥ पृथुसंनदिह नृवाः ॥

७८८५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सकलजगत्सु नृसर्वेषु वीना ॥ अनुपमसु कनूत कनूत कनिन सुखचिह्ना ॥
॥ ॐ ॥ सर्वे नृकनूतमयि कर्षी ॥ विविधविकल्पविना सत नृणां ॥
द्वीवावाही उग्रसन्निह दहा ॥ रुक्मय दहनं विलासविलासि ॥
सकलविघ्नहृदि मयि निनूत ॥ नतिपति स्वर्गनिवास नृणां ॥
रावातावक रुही वीना ॥ अनुपमसु सुखं मग्न सुखचिह्ना ॥ नाग
नाट ॥ कवच नृपला कवच नृप नृ ॥ ॐ ॥ सुखयति नृज नृसया ल

मतिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विगुह्य ॥ ॐ ॥ नावयि अथ वकान कमान ॥ खद्योति म नृणी व न
नगिन माला ॥ ॥ अकन सति नृज नृकुल विहता ॥ अनुपम नृध
नगिन माला विगुह्य ॥ ॥ कद्रु वान कद्रु वरु कद्रु वान वीना ॥ ॐ
वधू वकान गति मनि ॥ ॥ रुल क रुल क रुल क रुल सुख कद्रु ॥ ॐ
निठ वना ॥ नृक स व न लाया ॥ ॐ ॥ नाग ॥ नि व न ॥ अथ यति नृज
नृक य अनुपम गगन मगुल मा अथ यिका ॥ गुन्या विखा स न ला

यथाचिच्छादय पादौ विंदु समं कृदिता ॥ ५ ॥ नमामिनिना नैरुतिनः
 नूनं स्वका वरुणं नूनं कृदिता २ सनद चैव समं कृत्वा पका सिद्धं कृतं
 कृतं समं व्यापिता ॥ ॥ खड्गं यथा मन्त्रेण साधिनं वक्तुं बलिभनू
 मलं समं कृत्वा २ निर्मलं हृदया लक्ष्म कृत्वा पिता अहिनि सिद्धं कृतं
 साधना ॥ ॥ आर्तं दयनं भा नैदं विनं मा सज्जं सैव कृतं नानिदं सैव
 २ यनं सा विनं मा मय न कृदि नं महा सुखं सगं न सैव पापिता ॥

हवतु कालं च कृत्वा च कृतं नूनं कृत्वा ठि सिद्धा पा नैरुतिनः ॥
 गीतं कृतं दित्या नैपुं गीतिना तैध न पुरु महा सुखं जान कृतं ॥ ६ ॥
 नाना मन्त्राणि ॥ मन्त्रे नि र्मलं नयनं मय कृतं नैव माया सैव कृतं २ कृतं वरुचि य
 सैव वना ना सिमं यिद्धं व ॥ ॥ नडरु वनं नड निवर्तनं नडि नड सैव
 हा सुखं वरु २ या कृतं वरु म न कृतं वरु मयि पाप न सा रुयि कृतं ॥ ॥
 खलु मयि विवर्तु या ना सा विनं न विरु २ नड साप न स पुरु न कृदि ना

नैव नैव नैव ॥ ७ ॥

卷之六

卷五

[illegible][illegible]

2023.12

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं
 ब्रूयान्मम हृदि ॥ २ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ ३ ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ५ ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ६ ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ७ ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ८ ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ९ ॥
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं
 पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ १० ॥

856

मिमिक्षीयमनुभवमसंभवासापनिनिरुद्धनिना।
 नशीमलेयानि वासपीमहाकांता २ सागलमपुलसाअपुवलिना।
 अस्तिहागलायाविश्वतिसापिना २ अक्षरयवक्याधिइनिगहन
 ॥ वडभनपेसाददासरुनयिआ २ गुनचनलमानुसिद्धिवनउ
 साद ॥ ८६०३० ॥ नामागन्धमवि॥ प्रिउवनननननमननिअननायन
 विनयवलि ॥ ॐ ॥ नाचयिअसत्तवनमग्वनविनेयेवलि ॥

नामिमेमैसस्वकिनयदससुथेसादयवलि ॥
 यनविमतिअननायनसत्त्ववलि ॥ ८६०३० ॥ नामागन्धमवि॥ प्रिउवनननननमननिअननायन
 नादहिनकनठि २ पायलनोपुनमपुमालाहप्रमा ॥ ॐ ॥ नाचयिअसत्तवनमग्वनविनेयेवलि ॥
 दादीवक्यागिनी २ विनिनगदवीप्रिउवननपयिम ॥ ॥ कालमल
 शयिपासवीधिन २ नागधषमादकननिनरुद ॥ ॥ धूलगुदद
 वीनिनअनद ॥ २ ॥ गुणपागदवीमैना ॥ ॥ नाचयि ॥

॥ कालमल
 ॥ धूलगुदद
 ॥ सुयिस्तानद

श्रीकृष्णसद्वर्ण २ भाद्रमास उषःशुक्लविंशतितथी ॥ १०३ ॥ नागसमूहज ॥
 धर्मोदकदशरुमीसुंदरीसनमनसजुलसाहि कलयाने २ वाद ॥ १०४ ॥ चंद्र
 उवदनसुभाषावज्जवानादीकैलेशालिंग ॥ १०५ ॥ ॥ कैंकैंकैंकैंकैं
 कुरुनवमानसमंवाधियान २ द्वादशालिंग ॥ १०६ ॥ अथ यस्यावनाजयि
 याने श्रीसुखलाया ॥ ॥ कलिससय ८ ग ॥ चर्मविगूलकलि ५ नम
 सुभाषिका ३ स ॥ प्रिनककपालखद्योगपन ॥ १०७ ॥ गिल ४ ना ॥

पक्षिनिवनमकूटशालीकनमठगुयारुनवाविरुपिता २ आलि काः
 लिइयिआलिउत्तामसिआयचमनितारासनगरुगनू ॥ १०८ ॥ नम
 निनमाजालीवेद्यीसंतनादिअथ ३ ॥ निनकनूवादेया २ ॥ नमठ नम
 नुठइयायमन ८ ॥ वावकिपनमादिवजगीता ॥ १०९ ॥ ॥ वाग ३ ॥
 श्री ॥ ॥ विनीसनावनविलासयिकयिष २ ॥ १० ॥ रुवा ३ ॥ मलुललासा ॥ ११ ॥
 १०१ ॥ ॥ मल ३ ॥ गनितारिमात्र ॥ ॥ अथ २ ॥ निन ३ ॥ नद ३ ॥ १ ॥
 १०२ ॥ ॥ नद ३ ॥ निनी ३ ॥ नम ३ ॥ १ ॥

क्रिदलोकमाला ॥५॥

[illegible]

जातव ॥ २ ॥ निशगतिः समवागममीहीनः अतः गतिः सिद्धा न भवति ॥
॥ अतः नवः अस्मिन् गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी ॥
यमः कुरुते इति नित्यं नवान्नवः अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी ॥
गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी ॥
यमः कुरुते इति नित्यं नवान्नवः अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी ॥
गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी अतः गतिः दीदृशी ॥

नमो भगवते

मध्यामहायमा ॥ ॥ ध्यानमग्नयकठिबक्राज्जर्तननाम। पुनरम
 ध्या २ किलि २ लावा अई ॥ वक्राकलिकेतातावर्षममया ॥ × ॥ ध्या २
 कुडा धाद ॥ सुवनाचकुवकावदना धाद ॥ नयना रुनयिक ॥ ध्या २
 मरुमन ॥ कालिनोविनिपुवाययिवदना ॥ ॥ नाग ॥ अ ॥ ध्या २
 मीमनिचकुकेनालि २ शीघमपिंगलक ॥ नयना ॥ ॥ ध्या २
 २ रुट्कलक ॥ क ॥ न ॥ २ नाताविस्तान ॥ नोडमहावलिपूजा ॥ ॥ समया
 भीमयकलक ॥ क ॥ वलि ॥ ॥ २ पृथियकलक ॥ म ॥ कलवयन ॥ ॥

नक्रवुयागीवनदवावाकलवाकलवडमूरववयन ॥ ॥ नोडमहावलि
 मिरुवनेगरु ॥ २ मयमसिमज्जमधिनाहनि ॥ ॥ नाग ॥ रु ॥ नवि ॥ ॥ म ॥
 म ॥ ल ॥ म ॥ न ॥ म ॥ २ ॥ न ॥ ध ॥ न ॥ २ ॥ रु ॥ न ॥ उ ॥ द ॥ क ॥ वि ॥ म ॥ व ॥ डा ॥ ॥ ध्या २
 मिसलायनगयन २ रु ॥ न ॥ प ॥ नि ॥ हा ॥ म ॥ य ॥ दि ॥ न ॥ गु ॥ ने ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ ॥
 ॥ ॥ दि ॥ य ॥ वि ॥ य ॥ स ॥ व ॥ ॥ का ॥ २ ॥ म ॥ म ॥ ड ॥ न ॥ न ॥ ग ॥ डि ॥ न ॥ क ॥ ल ॥ ज ॥ न ॥ का ॥ ॥
 मिरुदिया ॥ रु ॥ दि ॥ शि ॥ म ॥ वी ॥ आ ॥ २ ॥ क ॥ ल ॥ सि ॥ व ॥ जा ॥ न ॥ न ॥ द ॥ रु ॥ दि ॥ रु ॥ दा ॥ रु ॥ ॥
 ॥ क ॥ ॥ ध्या २
 ॥ य ॥ व ॥ न ॥ ड ॥

वामाङ्कितः॥५५

[illegible]

पुनिसुता ॥ ३०

[illegible]

४१५

सादसा॥३२

महा

२०३ नवमः ॥ ३३

मधुगीरुमनकनलान॥
निअथनवचनय॥
यस्त्वयं॥

॥प्रावकंयानमतिरुहिकार्य२माथच
॥वृक्षचनिचनवृक्षगुल्य२१पनिर्लुहविवि
॥वृक्षनिधनपेदापनिमृत्तिनेनवृक्ष२वृक्षविवृक्षरा
वनयावियनिगसिदीसकल॥ ॥ननाईननाईननाईननाई
॥नागवनादि॥का०००नवर्षवाजिनवी॥२२नरुहमवद
वजिरुवनबीना॥ ॐ ॥अनूतमयजिनदानकनया२४दिनप

२०३ नवमः ॥ ३३

द्विसिद्धिमास्थिप॥६॥
नसिगगनइवान॥
मास्थपवनरुदया॥
नकनलानकसिद्धा॥००॥
२विरुवननाथदहिविलासा॥ ॐ
२कमलकलिससियागसिद्धा॥

॥गंगामुना॥इहिकरु२साखिननवि
॥उर्दिगनाचलोमविअर्याग२गगन॥यम
॥यवनपक्षयिनवककनावंध२वियनि
॥नागनाट॥सुहजसनायुहहनुवलाया
॥इ०००मदानसगुअलिधक
॥हानस्वपिनीदवीविग्वया

गलाक्षणीचिआदवषाणविंडसुमडादिता॥ ॐ ॥ नमामिनिनीलैरु
 तिनकूनैल्लहावसुंडुसुननसंकुदिता॥ २ ॥ नदचवसुमनैरुयकासिगु
 लउचवसुसव्यापिता॥ ॥ खड्गयोगागवमसाधिनेचकवदिमनूम
 तुलसुमनैलीना॥ २ ॥ निम्मसुददयालचकुध्यापिताअहिनिमिऊकुसु
 असाधना॥ ॥ आनंदपनमानन्दविनमाअसुदकुचकुनानंदसु
 वा॥ २ ॥ पनमाविनमाअनकादिनमसासुखसुगनसुपापिता॥

हवकुआलचकुपीसंचकुसिवनअनंदनकाटिसिद्धायार्नगगा॥ २ ॥ गीहक
 आदिसानिपुगुमिनिजा नैधनपुंडुमेरासुदजानंद॥ ॥ नाम॥ गोः
 छि॥ मचकपालाधामिनमोत्रियचसुनपचमडारन॥ २ ॥ ननगिनः
 मालागुवि॥ मरावाचनमेकदिरुमिरुवदना॥ ॐ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं कानः
 संज्ञातवदनाखवैलीवादननीनसुमदहाकायाधियनिगीनहाकाना
 २ ॥ पचममनदपारुवलीनारुजतयचकपालेधना॥ ॥ नकुवकुदः

पञ्चकपा॥ ५०

उभयदिनताथा॥१०

त्रिपक्षिणाकसागवन्ः दन्तिदिक्षिः

निर्वादि २२॥

॥३॥ संस्कृति २००० ॥

५

॥ वासुदेव इति नृसिंहाक्ष

(स्य कं स्त्रि त ना ज्ञा लं च)

यजुर्वेदाश्च सप्तहविर्वालेषु मिव केन च ॥

ॐ ॥ उड्डिवनं ग्वनन

मिथुं डल्लु म किं जू कोरु आयु डि कूदन कननं ॥

॥ उग्रा २ ॥

॥ ५ ॥ पृथ्वीमनाजा अरु कनू लमय २ दमकुडदि कनू अगि वल्लसासे

॥ ने ॥ उनेगा धिपति येनार्य उसय २ वरुयाग वरुयागेन कनन ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ प ॥ समिलनामनेउगकुरुल्लानुं २५५५ कति

मनुमूकनहिदार्पणं वा यक्षगणनाजोगकुलकापुली २ नाथश्रीः

॥ॐ आनेथाहोरुगवेनविधानाज्

॥ मोदगा (गम्वन नच विम्रग कि २ नाथ आ हो आय दु नः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अध्यायः १० ॥

अकिंशमिव कनकं ॥ म ॥ वृक्षवने नाम मृदु काठनाड ॥ २६१ ॥

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

दिगन्तिका मानवा भन कन ले ॥ ॥ वाङ्मय च न (१) उज्ज्वल धनिया २
गर्वो मे कुलित गीगी कच न (१) ॥ ६५ ॥ नामा ॥ कामाद ॥ अविजु मरु व
कच व पुद सा धारि म न न क व ध ना २ वाम रु उ ख य न र व धा (१) द हिन क
न ठि ध ना ॥ ६६ ॥ न मा मि गी ने मा त्मा द वी २ मा न रु व रु थ द न र्म ॥
च रु वि स मि पी (१) व न न र्प च क व द न वि न रु धा य २ प च मू डा रु मि रु अ
(१) गी वि न न मि न मू उ मा ला ॥ ॥ त्वं द व द वी म मि म उ ल मा म्भ सून

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

नमर्वादि कच न र्म २ द वी या गि नी च क रा वा न मा मि गी प य गु ध ग्व नी ॥ ६७ ॥
॥ गी व रु द वी प सा द दान प मि न म नो रु र्म २ स ग गु नू च न (१) नि ली
धा र्थ रु न यि न त्र व रु कू लि त्म ॥ ६८ ॥ ॥ नामा नाम क र्म ॥ उ च न क न र्प च
ग ल क र्म २ ना च शि रु नू व ड न म लि रु र्म ॥ ६९ ॥ ॥ रु नू व द नू व र्म द मा नू का
ला २ धी वि च गु नि ल या रु रु नू व र्म ला ॥ ॥ वाम धी वि नी द हिन व गु लि
२ मा म्भ वि ला म यि रु नू व वा नि ॥ ॥ द हिन उ म नू वा म र व धा (१) २ अ य

उरु यागो मे १३८

यागिनी मे निरु नूव सै (ग) ॥ राग वकि कर्तु पाद नूव दा (ग) २ काय वा
कचिरु द नूव निरु (ग) ॥ १३९ ॥ नाग ॥ मालणी ॥ वरु यागिनी रु नूव ला या २
गिरु व न मा मा द सि म पा (ग) ॥ १४० ॥ पिव यि स महान स महा स ख रु ल सि
या २ वरु द वी रु लिया अ नू रु न हान ॥ १४१ ॥ ता नी वि द ल क म ल
म थि (ग) २ द वी नि ला स यि घ व न स द रु यि या ॥ १४२ ॥ यि द प च
म हा स ख रु न नि सा २ य च गि न स वी उ वान (ग) ॥ १४३ ॥ स रु गु नू प सा

हो ना न सै जा को १४४

द व रु थ हि र व रु २ पा (ग) व नी सै सान स मू डा ॥ १४४ ॥ नाग ॥ न ना व नि ॥
हो ना न सै जा ग रु क व रु द हा २ धि रु उ च का स यि नि नै री ॥ १४५ ॥ न ना द
हो ना न सै ॥ १४६ ॥ व कि क रु ल क नि सा हा २ नू व क क य न व स म जी
॥ १४७ ॥ स ख न नो पु न पा य नै २ घा ध न रु स वी सु च म ॥ १४८ ॥
ठाम क ठ वि ग व रु २ गु स मू ड अ रु व रु दी ॥ १४९ ॥ स व क न वा म य नै २
रु न व का लि ब्राली रु प द ॥ १५० ॥ ज य णी धि रु उ स स व नै रु उ व न

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

हस्तद्वयद्वयगुणपुत्रपुत्रिय ॥ ॐ ॥ नाग ॥ पञ्चम ॥ हस्तकान्तसंज्ञाकान्तसंज्ञा
आनन्दनूपधना वसुलाकपालसेतेवता २ कायवाकचिरुमन्त्रमन्त्रल
विविधियेदिता ॥ ॐ ॥ पतमानिग्रीधिरुज्ज्वलवज्रदानादीर्ग्य
ताकनृत्तमय २ अर्थनिकालावलिचक्रदानवज्रनमस्कृतीगमनमनाहना
॥ ॥ दक्षिणकनेवज्रवाममध्यमज्जगमकूटज्जुष्टचक्रगज्जुष्टवर्माविरुषि
ता २ चक्रजगताय नमः ॥ विरुषिनामगुलोमोदिगविरुषि ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गणेशसदाननाथआनन्दनाथविज्जुष्टयसमाधिव्यापिना २ वज्रमृदागम
लिङ्गजगत्तुल्यनमानन्दमनूनिधना ॥ ॥ गणवन्निधिनन्तवज्ररुतयि
नीनागुनेचनगमिलीगमधोनिता २ स्वकृतिरुयद्रुतनितासतज्जुष्टमृद्धि
सर्वसिद्धिवनपसादा ॥ ॐ ॥ नाग ॥ कनडि ॥ ग्रीहवज्रनेनात्मादेवी
विरुषननाथ २ पञ्चजिनव्यापिरुयचक्रवृद्धता ॥ ॐ ॥ नमामि २ श्री
पूज्यगवेष २ हनूकधीगुष्टगवनीवज्रसागिनीर्गन्धना ॥ ॥ पञ्चदिन

॥

विष्णुसहस्रनाम

विष्णु
स्फितीरु नवतीलवर्षु २ दहिन पाव धत्री वाम धना ॥ ॥ यमनित्री
नीमिनी नीदवी २ गवति निवा वज्र कानसी वजा ॥ ॥ नाग ॥ नना
वनि ॥ दिनमणिमण्डल सैजान २ नादिनिदिगि वना ॥ ॥ नमामि श्री
विद्याधनी दवी २ नममस्ति सिद्धि वन्य सादा ॥ ॥ दहिन विंद
वामसुचि पाव विचित्र पूष्य माला रुक्मा ऊनी ॥ ॥ मरु कंठे नादिद्य
काका २ उम दवी जग नठ ननी ॥ ॥ श्री वृद्धा किनी योगिनी मणि

महाभारत ॥ १० ॥

नमि लं धना २ गवति सुन न वज्र मंगल गीता ॥ ॥ नाग ॥
वनादि ॥ मरु मरु हाथ नासा मण्डल काठि हाथ नासा दहा २ दग काठि हाथ
नासा यागिनी वन्द्या न वासु विरु कन दवा ॥ ॥ उँ उँ उँ कान मण्ड
ल नासु निता न यागिनी वन्द्या न २ वज्र धन गवनी कल आर्ति गण वा
सु म कल सैमा म्भे ॥ ॥ पूर्व चक्र विंक्ति या न दक्ति न नत्र विरु लिय
ल २ पश्चिम यम यका न न उरु न रव रु धनिया न ॥ ॥ संपूर्ण गुरु

नमो नमि मिय सा कन निया न काय वा क चिरु मनु जा लु नि नम न ग ग लु
 प ह द सा न ॥ ॥ नृप स नृप स द ग धि प र्ग नि ग ० ० नि म य धि म म ध
 उ ह सि २ क धु पा म ल व यो गि व १ वा हि न य पू र्ण न ह सि ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥
 ना ग ॥ नि व द ॥ कम ल वि का सि न मि मि ख रा व क म द सि य व लु स म द ह
 २ व उ न व द न क व ल य द म ल प य न नृ प का सि ता ॥ ॐ ॥ न मा मि २ ॥
 म हा म र ॥ म के ल गु ल ना य म न गु र्ण २ क म नि द ह मि द ह न ह न व न स

कमलविज्ञानिका

[illegible]

पुष्पक यती ॥ ७२ ॥

यनीहसमाननकनकवपुःशुक्रसुधानी ॥ २३ ॥ नमो हस्वनीवः
पवारुनवधवलवैलुनिगलधानी ॥ २४ ॥ ॥ हृदयमममनीः
लवधुसहिनाअवरुनवगलपति सहिना ॥ २५ ॥ अरुमहिअनरुनमाक्रुपः
दानासमननपोपेरुयहन ॥ ॥ पश्चिमः ॥ उायनी ॥ हसिवाहन
कर्मवधुवज्ररुका ॥ २६ ॥ किलवावासीधनधाननयीनी ॥ अंकुससहिनाम
हिखासनी ॥ ॥ ७३ ॥ नचत्रिकादेवी ॥ कर्मवधुकाहिरुवगलदम

नसहिना ॥ २७ ॥ अदितकोमानीमखनवाहननकनाच्चादिवधुसहिनि
रुका ॥ ॥ नमोवधुवीमनूठवाहननखेवज्रसहिनाविजयरुका
॥ २८ ॥ वायव्यामृगदवीकानवदनासिंहवाहननखेवज्रसहिनावि
जयरुका ॥ २९ ॥ वायव्यामृगदवीकानवदनासिंहवाहननखेवज्ररुका
॥ ॥ अरुकेलनाममधालेयादिशुगपालनवदगतिदेवी ॥ ३० ॥
मामिदवीगीजानाधियाभेकुमुतिमृगुतियस्यसिद्धिकर्नेन ॥ ॥ ७४ ॥

दसगोवडायाशमकानंदन(धरुदुधयाइसाइसा॥
 ॥नागे॥नाट॥सकलउताहससाभनृपाह॥सर्वनृपमहर्षिकलाही॥कु॥
 ॥वजिनुवधवदअचल॥उगदुधमयसर्वानंदनृपाह॥॥अहीसिद्धि
 नहविद्धिअवनजगमह॥अहंहीअहंपूषनपूषकाह॥॥
 वासनाहंनगठनका॥अहंउमअहंउलविष्णुसिद्धि नह॥॥
 अयतिनिहिरवासजानसकलसर्ववदुहंनकाजकममकोतउमिहाकिपाजी
 सिद्धिदिकयतसावनीवदुहंनचनुवदुहंनमयदुहंनविकल्पविष्णुहंनचलायं॥

विष्णुहंनवासमनुजगहंनकावडाइहंनवदुहंनपिपीठमावनमनुजगहंन
 नामाननी॥उदामाविनडिहंनहंनकनंपोतीकहंनवर्नवदुहंनयनवदुहंनमह
 नायलमदकाहंनपूषाहंनमह॥॥नममयागाम्वनाअसुवसावाहंनहीनाहंनसा
 गिनीआखनेअक॥यागावनीजगहंनकाथेकनूचकुहंनसदा॥नत्यायावविद्धा
 विनितुवसुभक्तनिसकंननंरसहंनकाधिवदंनगुनअनहंनकापतदकांनदसु
 हांम्वदकदंनगुगतिपतिहंनसावनीनकूगुपानंसाहंनत्यावमावहंनमुवजततहंनदिन

कमपा॥